संतों ने समाज को बदलने का किया आह्वान
वैश्विक बदलाव के लिए आगे आयें संत-शंकराचार्य ओमकारानन्द

आबू रोड, ६ नवम्बर, निसं। ब्रह्माकुमारीज संस्था के शांतिवन में चल रहे अमृत महोत्सव के तीसरे दिन विश्व कल्याण परिषद के अध्यक्ष जगदगुरुशंकराचार्य स्वामी ओमकारानन्द सरस्वती ने सभी ब्रह्माअनुयाईयों एवं मठाधीशों से आह्वान किया कि वे ब्रह्माकुमारीज संस्था से जुड़कर स्व:परिवर्तन से विश्व परिवर्तन के अभियान में सहभागी बनें। यहाँ आगमन के अपने अनुभव को अदभुत बताते हुए उन्होंने कहा कि भारत की आबादी एक सौ तीस करोड़ का आकड़ा पार कर चुकी है। लेकिन बहुत कम लोग ईश्वरीय कृपा के पात्र बन पायें हैं। यहाँ प्रवास के दौरान सहज ही सतयुग का एहसास हो रहा है। जो लोग इस संस्था से जुड़ेंगे वे अवश्य ही शांति, एकता व प्यार की सम्पन्नता से धनी हो जायेंगे। उन्होंने दादी प्रकाशमणि को इस अवसर पर याद करते हुए कहा कि इस विश्व विद्यालय द्वारा किसी विशेष समुदाय का लोकाचार या दर्शनशैली नहीं सिखायी जाती। बल्कि मानव का सही अर्थों में चरित्र निर्माण किया जाता है। जिसकी वर्तमान समय में सर्वाधिक जरूरत है।

संस्था प्रमुख राजयोगिनी दादी जानकी ने संतो से आह्वान किया कि सभी संत और अन्य समाज के लोग एक मंच पर आकर नये विश्व निर्माण की प्रक्रिया में सहभागी बने। सभी संतों ने एकमत से स्वीकार किया किया बिना आध्यात्मिकता को जीवन में उतारे शांति का मार्ग प्रशस्त नहीं हो सकता है। इस पर दादीजी ने सभी संतों का धन्यवाद दिया।

कर्नाटक से आये जगदगुरुश्री मल्लिकार्जुन मुरुगराजेन्द्र महास्वामी ने कहा कि आध्यात्मिकता के सहारे ही मूल्यों को पुनर्स्थापित किया जा सकता है। इंसान को परमात्मा ने ज्ञान दिया लेकिन वह ज्ञान से विमुख होकर पशु सम व्यवहार कर रहा है। लोगों की जीवनशैली इतनी बदल गयी कि वे अन्दर की भावनाओं को दबाते हुए मुस्कराने का स्वांग मात्र रचते हैं ऐसे लोगों को आध्यात्मिकता ही जीवन का आदर्श समझायेगी। मानवता सबसे बड़ा धर्म है और इसी धर्म के पालन का संदेश इस तपोभूमि द्वारा प्रसारित किया जा रहा है। जर्मनी से आयी ब्र कु सुदेश ने निष्कर्ष के तौर पर कहा कि विश्व निर्माण की आधारशिला आध्यात्मिकता ही है।

षटदर्शन साधू समाज ट्स्ट हरिद्वार के अध्यक्ष महन्त दर्शन सिंह त्यागमूर्ति ने ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा मानवमात्र के कल्याण के लिए की जा रही सेवाओं की भरपूर प्रशंसा की एवं सक्रिय रूप से सहयोग देने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर संस्था के विभिन्न प्रभागों द्वारा आध्यात्मिक ज्ञान के प्रसार के लिए दी जा रही सेवाओं के सम्मानार्थ प्रभारियों का अभिनन्दन किया गया। संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी ने उपस्थित अतिथियों के प्रति आभार जताया।

इस अवसर पर अखिल भरतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव तथा कालाहांडी उड़ीसा के सांसद भक्त चरण दास सहित कई लोगों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये।

फोटो-६एबीआरओपी, १, २, ३, ४, ५ सभा को सम्बोधित करते जगदगुरू शंकराचार्य ओमकारानन्द, संतों के साथ दादीजी दृढ़ संकल्पित होते हुए। सभा में उपस्थित लोग।